श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ | स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 1 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 अप्रेल 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

मालव माटी की स्पर्शना में पाया जन-जन का प्यार
आचार्यद्वय का सिद्धाचल तीर्थ हेतु उग्र विहार

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. जैनाचार्य, विश्वपूज्य गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के प्रशिष्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. और मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का 72 दिन में मध्यप्रदेश के अनेक श्रीसंघ एवं श्री मोहनखेड़ा आदि तीर्थ क्षेत्रों की स्पर्शना और जिनशासन प्रभावना की एक दीर्घ शृंखला के कार्यक्रमों में अपनी पावन निश्रा प्रदान करके अलिराजपुर नगर से दिनांक 19-3-2018 को श्री सिद्धक्षेत्र पालीताणा तीर्थ भूमि में आयोजित कार्यक्रमों में निश्रा प्रदान करने हेतु विहार कर गुजरात प्रान्त में मंगल प्रवेश किया।

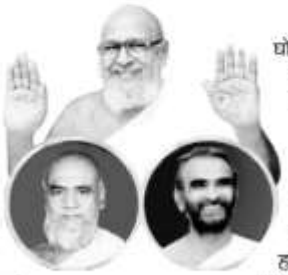

आचार्यद्वयश्री आदि ठाणा ने गुजरात प्रान्त की सीमा में प्रवेश कर गुजरात के छोटा उदयपुर के देवहांट स्थित गाँधी आश्रम शाला में स्थिरता की। यहाँ से विहार कर क्रमशः मुनि सेवा केन्द्र गोरज, बाघोडिया नगर औद्योगिक क्षेत्र होते हुए अकोटा जैन मन्दिर, बड़ौदा पधारे जहाँ अनेक श्रीसंघों के गुरुभक्त दर्शनार्थ पधारे। यहाँ से सूर्यमन्दिर बोरसद नगर के समीप स्वामीनारायण मन्दिर पधारे। यहाँ से गुरु भगवन्त मणिलक्ष्मी तीर्थ पधारे यहाँ आचार्यद्वय दर्शन-वन्दन कर यहाँ से विहार कर गोकुलधाम से आगे आनन्दनगर धाम, तारापुर पधारे। यहाँ से विहार करके आचार्यद्वय मुनिमण्डल सह गुजरात के इन्द्रजण गाँव में निर्मित चंदमंगल तीर्थ पधारे। यहाँ से प्रातः वटामण चौकड़ी (वतमान) के समीप निर्मित श्री धर्मधाम तीर्थ पधारे यहाँ से विहार कर मोटी ढोरु (मोती बोरु) पधारे। यहाँ से इन्द्रगंज, आमली विहार धाम होते हुए ढोलेरा पधारे। यहाँ से प्रातः विहार करके बावलीयारी (बवालिअरी) पधारेंगे यहाँ से विहार कर वेलाबदर (वेला वादर) होते हुए पुण्य-सम्राट के पट्टधर पालीताणा तीर्थ भूमि की ओर उग्र विहार गतिमान है। मध्यप्रदेश से प्रतिदिन दोनों समय विहार करते हुए आचार्यद्वय व मुनिमण्डल लगभग 390 कि.मी. का लम्बा विहार मात्र 12 दिन में करके सिद्धक्षेत्र की स्पर्शना करेंगे।

गुरु भगवन्तों के वैयावच्च एवं दर्शनार्थ पधार रहे गुरुभक्तों की साधर्मिक भक्ति का लाभ बड़नगर के त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ ने लिया है, श्रीसंघ बड़नगर के अध्यक्ष एवं ट्रस्टी मण्डल के ट्रस्टी सहित श्रीसंघ के सदस्य कार्यकर्ता के रूप में अपनी निःस्वार्थ सेवाएँ प्रदान कर रहे है। साथ में अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार के अनेक सदस्य भी वैयावच्च एवं साधर्मिक भक्ति में अपना अमूल्य समय देकर परिषद् के लक्ष्य का पालन कर रहे हैं।

आचार्यद्वय आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का पालीताणा तीर्थ में दिनांक 30 आर्च 2018 को भव्यातिभव्य शोभायात्रा के साथ मंगल प्रवेश होगा। जिसमें बैण्ड, ढोल, घोड़े, बग्घी, नृत्य मण्डलियों के साथ सम्पूर्ण भारत के कोने-कोने से गुरुभक्त पधारेंगे। दिनांक 31 मार्च 2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री सहित अनेक श्रमण-श्रमणिवृन्दों के आगामी चातुर्मास की उद्घोषणा होगी।

द्वय पट्टधरों की निश्रा में दिनांक 7 अप्रेल 2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रथम वार्षिक पुण्य तिथि 'पुण्य सप्तमी' विविध धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास एवं धूमधाम से आयोजित होगी। दिनांक 8 अप्रेल 2018 को गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यप्रवरश्री के आचार्य पदारोहण की प्रथम वर्षगाँठ तिथि पर भी विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

दिनांक 18 अप्रेल 2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की भावनानुसार हजारों वर्षीतप के तपस्वीरत्नों का सामूहिक पारणोत्सव होगा। जिसकी सम्पूर्ण तैयारियाँ हो चुकी है। इस अद्वितीय पारणोत्सव में आचार्यद्वय के साथ तीर्थ भूमि पर बिराजित अनेक गुरुभगवन्त अपनी पावन निश्रा प्रदान करेंगे। दिनांक 22 अप्रेल 2018 को पालीताणा तीर्थ भूमि पर पट्टधरद्वय की पावन निश्रा में सामूहिक दीक्षा महोत्सव आत्मोद्धार आयोजित होगा जिसमें मुमुक्षु भाई-बहिनों को भागवती प्रव्रज्या प्रदान की जायेगी।

72 दिन ही क्यों ?

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघ शिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा द्वारा मध्यप्रदेश में 72 दिन तक अनेक तीर्थों एवं नगरों की स्पर्शना करके जिनशासन की अभूतपूर्व प्रभावना कर कीर्तिमान स्थापित किया है। 72 अंक में - 7 और 2, अर्थात् 7 अंक सातवें पट्टधर और 2 अंक दोनों के साथ-साथ आचार्यपद का प्रतीक है।

7 और 2 अंक का भारतीय परम्परा में विशिष्ट स्थान और महत्व रहा है। 7 अंक में नानाप्रकार के गूढ़ रहस्य विद्यमान है। जैसे इन्द्रधनुष के रंग, संगीत के स्वर, सप्ताह के दिन, समुद्र 7 ही है, धर्मग्रन्थों के अनुसार ऋषि भी 7 ही है तथा जैन परम्परा में भय, व्यसन, क्षेत्र, नय तथा अपने भावों और विचारों को समन्वय के साथ व्यक्त करने की कला भी 7 है जिसे 'सप्तभंगी' कहा जाता है। इसी प्रकार चैत्यवन्दन, शुद्धि, नर्क, मण्डली, दण्डनीति एवं कमल आदि सात है। अंक 2 में भी अनेकानेक रहस्य है। 7 और 2 का योग 9 होता है और 9 अंक शास्त्रानुसार पूर्ण अंक होता है। दोनों आचार्यश्री ने परमेष्ठि पद की नीचे की सोपान णमो लोएसव्वसाहूणं एवं णमो उवज्झायाणं पद को पार कर णमो आयरियाणं पद को प्राप्त किया है। पुण्य-सम्राट के द्वय पट्टधर सूर्य-चन्द्र की जोड़ी बनकर अपनी अलौकिक आभा से सम्पूर्ण जैनसमाज में अपनी ज्ञानरश्मियों से समाज और राष्ट्र को आलोकित कर अविस्मरणीय एवं चिरस्मरणीय शासन प्रभावना के उत्कृष्ट कार्य सम्पादित करावें। यही अभ्यर्थना अरिहन्तदेव एवं दादा गुरुदेव से है।

विशेष सूचना

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) के प्रबन्धक अशोक सेठिया ने बताया कि श्री भाण्डवपुर तीर्थ में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी **सामूहिक वर्षीतप पारणा का भव्य आयोजन दिनांक 18-4-2018 अक्षय तृतीया** को होने जा रहा है। जिसकी आमन्त्रण-पत्रिका प्रकाशित होने जा रही है। पारणा करने के इच्छुक तपस्वी अपना नाम पेढ़ी पर समय से पूर्व लिखा देवें।

निवेदक- श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट), श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ), सामूहिक वर्षीतप पारणा समिति, श्री भाण्डवपुर तीर्थ (राज.) सम्पर्क : 7340019703

पुण्य-सम्राट के पट्टधर आचार्यद्वय की पावन निश्रा में मालव धर्मधरा पर 72 शासन प्रभावना के कार्य सम्पन्न आचार्यद्वय का पालीताणा की ओर उग्रविहार

माण्डवपुर (स. सं.),

राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. आदि विशाल साधु-साध्वी भगवन्त ने मालव धर्मधरा पर भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा पंचाह्निका महोत्सव सम्पन्न करते हुए अनेकानेक जिनशासन प्रभावना के कार्य निष्पादित कर तीर्थराज पालीताणा की ओर उग्रविहार गतिमान है।

आचार्यद्वय का कुक्षी नगर में पावन पदार्पण

कुक्षी,

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का पावन पदार्पण मध्यप्रदेश के कुक्षी नगर में हुआ। कुक्षी नगर में आचार्यद्वय के साथ मुनिमण्डल का श्रीसंघ ने भव्य स्वागत करते हुए शोभायात्रा के साथ नगर प्रवेश करवाया। कुक्षी के मुख्य मार्ग पर गुरुभक्तों ने गहुँली कर आचार्यद्वय को बधाया। आचार्यद्वय श्रीसंघ के साथ जिनालय दर्शन कर धर्मसभा में पधारे जहाँ गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री सहित मुनिभगवन्तों के सारगर्भित प्रवचन हुए। द्वयपट्टधरों को श्रीसंघ ने काम्बली वोहराकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति, म.प्र. परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धारीवाल सहित परिषद् परिवार और गुरुभक्त उपस्थित रहे।

आचार्यद्वय का नन्दूरी तीर्थ में पदार्पण

नन्दूरी तीर्थ,

पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संघशिल्पी आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा., मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणीवृन्द कुक्षी नगर से नन्दूरी तीर्थ पधारे जहाँ ट्रस्ट मण्डल ने आचार्यद्वय का गहुँली कर भव्य स्वागत किया।

आचार्यद्वय की निश्रा में उपाश्रय व यात्री भवन उद्घाटन

लक्ष्मणी तीर्थ,

दादा गुरुदेव के संघ एवं पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं संघशिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. आदि ठाणा का लक्ष्मणी तीर्थ में भव्य प्रवेश हुआ। तीर्थ जिनालय में आचार्यद्वय व मुनिमण्डल के साथ समाजजनों ने श्री पद्मप्रभु भगवान, श्री ऋषभदेव भगवान एवं श्री महावीरस्वामीजी के दर्शन कर सामूहिक चैत्यवन्दन किया तथा गुरुमन्दिर में गुरुवन्दन किया। दर्शन-वन्दन के पश्चात् द्वयपट्टधर की निश्रा में अलीराजपुर श्रीसंघ एवं लक्ष्मणी तीर्थ के ट्रस्टगणों ने मीटिंग आयोजित कर कई मुद्दों पर चर्चा की। परिणाम स्वरूप आचार्यद्वय एवं समाजजन की उपस्थिति में तीर्थ परिसर में थराद यात्री भवन का भव्य उद्घाटन किया गया साथ ही तीर्थ में गुरुमन्दिर के पास उपाश्रय के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया।

तीर्थ परिसर में आयोजित प्रवचन मण्डप में बिराजित आचार्यद्वयश्री को सामूहिक गुरुवन्दन किया उसके पश्चात् ट्रस्ट मण्डल व अलीराजपुर नगर पालिका अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित किया। माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यप्रवरश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. व मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने अपने प्रवचन में तीर्थ की महिमा बताई व आचार्यप्रवरश्री ने अपनी अन्तर की भावना दर्शाते हुए कहा कि इस तीर्थ में चिकित्सालय का निर्माण करवाना चाहिये।

इस अवसर पर ट्रस्ट मण्डल ने नगर पालिका अध्यक्ष से तीर्थ में पानी की पाइप डलवाने और विधायक महोदय से तीर्थ में आवागमन हेतु सड़क निर्माण करवाने का आग्रह किया। अलीराजपुर नगर अध्यक्ष, अलीराजपुर विधायक, जोबट विधायक व कुक्षी श्रीसं अध्यक्ष ने भी अपने विचार प्रकट किए।

धर्मसभा के अन्त में आचार्यद्वय की वासक्षेप पूजा कर काम्बली वोहराई। अतिथियों एवं गुरुभक्तों का स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया। दिनभर तीर्थ में श्रद्धालु गुरुभक्तों का आवागमन चलता रहा। यहाँ से आचार्यद्वयश्री का विहार मध्यप्रदेश के अन्तिम पड़ाव अलीराजपुर की ओर विहार होगा।

आचार्यद्वय का अलिराजपुर में भव्य प्रवेशोत्सव

पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का मध्यप्रदेश विहार यात्रा के अन्तिम पड़ाव अलिराजपुर की ओर विहार हुआ। अलिराजपुर नगर में भव्य शोभायात्रा के साथ प्रवेश हुआ। श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ मध्यप्रदेश की भावसभर विनन्ती को स्वीकार कर विश्वपूज्य गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के षष्ठ पट्टधर पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार आचार्य भगवन्तश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने मुनिमण्डल के साथ उग्र विहार कर 7 जनवरी को मध्यप्रदेश में भव्य प्रवेश किया था। आचार्यपदारोहण के पश्चात् प्रथम बार आगमन पर अनेक श्रीसंघों, परिषद् परिवार एवं हजारों गुरुभक्तों ने उपस्थित रहकर पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के प्रति रही अगाध श्रद्धा, समर्पण और आस्था का परिचय दिया। मध्यप्रदेश में पुण्य-सम्राट के पट्टधर 72 दिनों तक विहार कर अनेक शासन प्रभावना के कार्यों में अपनी निश्रा प्रदान कर अलिराजपुर पधारे।

अलिराजपुर पदार्पण पर भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई उपाश्रय के समीप बने प्रवचन मण्डप पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। जहाँ संगीत की मधुर स्वरलहरियों के साथ सामूहिक रूप से दोनों आचार्यश्री को गुरुवन्दन किया। समाज एवं परिषद् के वरिष्ठजनों ने दीप प्रज्वलित किया। लाभार्थी परिवार द्वारा दोनों आचार्यश्री की वासक्षेप पूजा करते हुए काम्बली वोहराई।

धर्मसभा का प्रारम्भ गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचरण से हुआ। आचार्यप्रवरश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने इस अवसर पर कहा कि मैं मालवा की गुरुभक्ति के बारे में सुनता था परन्तु इन 72 दिनों की विहार यात्रा में मालवा की गुरुभक्ति एवं समर्पण देखकर मैं अत्यन्त ही अभिभूत हूँ। पुण्य-सम्राट के प्रति आपकी श्रद्धा, भक्ति एवं समर्पण वास्तव में अविस्मरणीय एवं अभिनन्दनीय है। आप सभी इसी प्रकार गुरुभक्ति एवं धर्माराधना करते हुए आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर हो यही शुभकामना आपको प्रदान करता हूँ।

अलिराजपुर की पुण्य धरा पर आज एक विचित्र संयोग बना। अलिराजपुर के सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालय में पूर्व में पधारे पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की निश्रा में विद्यालय का खातमुहूर्त एवं पुनः पधारे तब लोकार्पण तथा जब उनके पट्टधर पधारे तब उनकी निश्रा में विद्यालय की बाउण्ड्री वाल निर्माण व पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के चित्र की स्थापना के साथ ही दो कमरे बनवाने के लिए लाभार्थी को स्वीकृति प्रदान की गई।

इस अवसर पर अनेक श्रीसंघों के गणमान्य, परिषद् पदाधिकारी एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त पधारे।

आचार्यद्वय की निश्रा में बालिका परिषद् का गठन

अलिराजपुर,

पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संघशिल्पी आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की पावन प्रेरणा से अलिराजपुर में महिला परिषद् की म.प्र. इकाई की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पाजी मण्डारी के नेतृत्व में स्थानीय महिला परिषद् की बैठक रखी गई व नव वर्ष पर धार्मिक पाठशाला की शुरूआत की गई जिसमें धार्मिक पुस्तकों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। अलिराजपुर प्रवेश पर म.प्र. महिला परिषद् की सह प्रचारमन्त्री श्रीमती मंगलाजी धारीवाल भी उपस्थित रहीं। महिला परिषद् म.प्र. इकाई अध्यक्षा व पदाधिकारियों द्वारा अलिराजपुर में बालिका परिषद् का नवीन गठन किया गया जिसमें सर्वानुमति से अध्यक्ष- आयुषी जैन, उपाध्यक्ष- रिद्धि जैन, सचिव- राधी जैन, सहसचिव- मेगी जैन को बनाया गया। सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यप्रवरश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

भाण्डवपुर तीर्थ में रक्तदान शिविर

भाण्डवपुर तीर्थ, (स. सं.),

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर जैन तीर्थ में रक्तदान शिविर का आयोजन राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के महाप्रयाण की प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी के उपलक्ष्य में तीर्थ परिसर में श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट संघ भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा आयोजित किया गया।

रक्तदान शिविर का अवलोकन करते मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म.सा.

श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट संघ के प्रबन्धक अशोक सेठिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जनकल्याण के कार्यों को करने के लिए राजस्थान सरकार के उपक्रमों में सहयोग करने के उद्देश्य से चिकित्सा, शिक्षा व जीव दया के कार्यों में ट्रस्ट की अहम भूमिका रहती है। प्रथम रक्तदान शिविर का शुभारम्भ मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में प्रातः 11 बजे हुआ। तीर्थ परिसर में कार्यरत सेवाभावी सभी कर्मचारियों एवं स्थानीय भुण्डवा ग्राम के ग्रामीणों ने पूर्ण उत्साह से रक्तदान किया। जालोर चिकित्सा विभाग के सदस्यों ने रक्तदान से प्राप्त रक्त को ब्लड बैंक में जमा करवाया।

पुण्य-सम्राट की प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी पर महामहोत्सव

इस अवसर पर मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी पर्व दिनांक 7-4-2018 के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारतभर के साथ तीर्थ परिसर में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याण के कार्यों को क्रियान्वित किया जायेगा। पुण्य सप्तमी पर्व हेतु तीर्थ परिसर में भव्य तैयारियाँ गतिमान है। दिनांक 7-4-2018 को प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी पर्व पर प्रातः 5.30 बजे भव्य शोभायात्रा चन्द्रलोक जैन तीर्थ मेंगलवा से प्रारम्भ होकर चतुर्विध श्रीसंघ के साथ श्री भाण्डवपुर तीर्थ पहुँचेगी। प्रातः 9.30 बजे गुरु गुणानुवाद सभा एवं सामूहिक गुरुमंत्र जाप का आयोजन होगा। दोपहर 12.30 बजे आयम्बिल एवं नवकारसी, दोपहर 2 बजे श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा संगीत की मधुर स्वरलहरियों के साथ पढ़ाई जायेगी तथा सायं 7 बजे महाआरती एवं भव्य गुरु भक्ति की जायेगी। इस पुनीत पावन अवसर पर देशभर से हजारों गुरुभक्तों के आने की सम्भावना है। आने वाले गुरुभक्तों के आवास एवं अन्य व्यवस्थाओं हेतु ट्रस्ट मण्डल ने कई समितियाँ बना कार्यभार सौंपा है।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ), भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा आयोजित पुण्य सप्तमी पर्व के सम्पूर्ण कार्यक्रमों के लाभार्थी शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा परिवार निवासी-सुराणा (राज.) मिलियन ग्रुप, विजयवाड़ा-मुम्बई-दिल्ली-हरिद्वार हैं।

चैन्नई में पुण्य सप्तमी महोत्सव

चैन्नई, (स. सं.)

दिनांक 7-4-2018 को पुण्य-सम्राट जयन्तसेन फाउण्डेशन, चैन्नई द्वारा अनन्त उपकारी, पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सामूहिक रूप से विविध कार्यक्रमों के साथ मनाई जायेगी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में फाउण्डेशन द्वारा जीवदया, गुणानुवाद सभा, स्वामीवात्सल्य, पूजा एवं संगीतकारों द्वारा भव्य आरती एवं रात्रि भक्ति आदि प्रमुख हैं।

भाण्डवपुर में चैत्री पूनम पर्व महोत्सव

भाण्डवपुर, (स. सं.)

पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर द्वय वर्तमान गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में श्री भाण्डवपुर तीर्थ में चैत्री पूनम पर्व त्रिदिवसीय कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

दिनांक 29 मार्च 2018, गुरुवार को श्री महावीर पंचकल्याणक पूजा एवं शक्रस्तवाभिषेक का आयोजन धूमधाम से किया गया। दिनांक 30 मार्च 2018 शुक्रवार को श्री आदिनाथ पंचकल्याणक पूजा व स्वामीभक्ति तथा चैत्री पूनम पर्व दिनांक 31 मार्च 2018, शनिवार को श्री सिद्धाचल नव्वाणु प्रकारी पूजा एवं स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। त्रिदिवसीय महोत्सव में प्रतिदिन प्रभु पूजा, नयनाभिराम अंगरचना जिनालय एवं समाधि मन्दिरों में तथा संगीतकारों द्वारा प्रतिदिन आरती के पश्चात् भक्ति की रमझट की गई।

त्रिदिवसीय महोत्सव में प्रतिदिन अनेकों गुरुभक्तों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट, श्री वर्धमान-राजेन्द्र भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) श्री भाण्डवपुर तीर्थ (राज.) के तत्वावधान में आयोजित इस त्रिदिवसीय महोत्सव के लाभार्थी- शा. शान्तिलालजी भमूतमलजी बंदामुथा, ऐलाणा, जिला- जालोर (राज.) प्रतिष्ठान- मीना होजरी सेन्टर, मामुल पेठ, बैंगलार (कर्नाटक) परिवार ने तीर्थ परिसर में पधारे सभी गुरुभक्तों की स्वामीभक्ति करते हुए लिया।

विजयवाड़ा में नवपद ओली

विजयवाड़ा, (स. सं.)

विजयवाड़ा के कौस्तुभ निवास में प्रथम बार आयोजित नवपद ओली में पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री संयम-रत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिश्री मुदनरत्नविजयजी म. सा. की निश्रा पुण्योदय से प्राप्त हुई है। इसमें बच्चों और बड़ों सहित लगभग 102 आराधकों ने आयम्बिल तप किया। इस अवसर पर अपने प्रवचन में मुनिश्री संयमरत्नविजयजी म. ने श्रीपाल-रास व नवपद महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रजापाल राजा ने अपनी पुत्री सुरसुंदरी और मयणासुंदरी को धार्मिक संस्कार देकर सुसंस्कृत किया वैसे ही समस्त अभिभावकों को अपनी सन्तान के प्रति जागरूक रहना चाहिये। बच्चों पर अनुशासन रखने से पूर्व स्वयं को स्वयं पर अनुशासन रखना होगा। वर्तमान में बच्चों पर हमारे भाषण का नहीं, अपितु आचरण का असर होता है। अभिभावक की एक साधारण भूल बच्चों के लिए एक अभिशाप के समान है। हमें बच्चों को आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा देनी चाहिये। बच्चों को गमले के पौधे की तरह न बनाएँ कि पानी न मिले तो सूख जाएँ, बल्कि उस जंगल के वृक्ष की तरह बनाएँ, जो पानी न मिलने पर भी अपने पैरों पर खड़ा रहता है।

श्री प्रवीणभाई वेदमुथा ने मुनिश्री को आयम्बिल की गौचरी वोहराई। आराधकों ने उत्साह व आनन्दपूर्वक आराधना एवं साधना की।

परिषद् परिवार द्वारा पाठशाला प्रारम्भ

नागदा, (स. सं.)

दिनांक 19-3-2018 से धार्मिक पाठशाला श्री शान्तिनाथ जिनालय, जैन कॉलोनी में श्रीमती कोमलबेन चौधरी के निर्देशन में नये सत्र में प्रतिवर्षानुसार प्रारम्भ हुई। इस अवसर पर श्री राजेन्द्रसूरि जैन ज्ञान मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री ब्रतेश बोहरा, नागदा श्रीसंघ के सचिव राकेश ओरा, परिषद् अध्यक्ष मनोज वागरेचा, म.प्र. इकाई परिषद् प्रतिनिधि रंजना लुणावत, अभय बोहरा एवं मन्दिर ट्रस्टी सचिव दिनेश चौरड़िया, कोषाध्यक्ष निलेश पगारिया, सुरेश नाहटा, मुकेश बोहरा, वीरेन्द्र सकलेचा, भूपेन्द्र लुणावत, हर्षित नागदा, दीपक गांग, चन्द्रशेखर आजाद, ऋषभ वागरेचा आदि उपस्थित थे।

पाठशाला प्रारम्भ के पश्चात् श्री यतीन्द्र-जयन्त ज्ञानपीठ परीक्षा के पुरस्कार व प्रमाण-पत्र भी वितरीत किये। राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने व परिचित बच्चों को पाठशाला अवश्य भेजें, प्रतिदिन बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार वितरण किया जायेगा। महिला परिषद् अध्यक्षा ने भी महिलाओं से पाठशाला में आने का निवेदन किया। परिषद् अध्यक्ष मनोज वागरेचा ने निःशुल्क सेवा दे रही अध्यापिका कोमलबेन चौधरी व सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। मक्कामर भक्त मण्डल द्वारा सभी को प्रभावना वितरीत की गई।

म. प्र. के अन्तिम पड़ाव अलिराजपुर मंगल प्रवेश की चित्रमय झलकियाँ

आचार्यद्वय को कामली ओढ़ाते

प्रवचन प्रदान करते आचार्यदेवेशश्री

ऐतिहासिक शोभायात्रा में झूमते गुरुभक्त

सामूहिक गुरुवन्दन

थराद जैन यान्त्रिक भवन उद्घाटन

शिलालेख अवलोकन

आचार्यद्वय की निश्रा में उद्घाटन करते लाभार्थी

योगी-वाणी

संगति का असर बहुत शीघ्र होता है। हमेशा तमोगुण और रजोगुण में रहने वाला व्यक्ति भी थोड़ी देर आकर सत्संग में बैठ जाये तो उसमें भी सकारात्मक और सात्त्विक ऊर्जा का संचार होने लगेगा।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवार्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

सह सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित